UGC नियम का सनातन पर खतरा! आचार्य प्रशांत बोले- 'एक बार खिंची विभाजन की रेखा तो लौटना होगा मुश्किल', यह एक चिंगारी है

Reported by: Anjali Singh | Edited by: Brijendra Pratap Singh | Agency: Local18
Last Updated: February 09, 2026, 08:06 IST

Acharya Prashant : यूजीसी के नए नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद आचार्य प्रशांत ने दिल्ली लिटरेचर फेस्टिवल में जाति विभाजन और सनातन धर्म में जाति विरोध पर खुलकर चर्चा की. उन्होंने कहा कि एक बार लकीर खींचने के बाद वापस आना मुश्किल हो जाएगा.

ख़बरें फटाफट
गूगल पर News18 चुनें

नई दिल्ली : यूजीसी के नए नियम ने पिछले दिनों समाज को दो हिस्सों में बांट दिया था. स्कूल से लेकर कॉलेज और यूनिवर्सिटी तक छात्र-छात्राओं में इसका आक्रोश साफ तौर पर नजर आ रहा था. यूजीसी के नए नियम पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक तो लग गई है, लेकिन दोबारा अगर इसी तरह के नियम आए तो कैसा विस्फोट समाज में होगा. इस पर सोशल मीडिया का मशहूर चेहरा और युवाओं की पहली पसंद आचार्य प्रशांत ने खुलकर अपनी बात रखी.

आचार्य प्रशांत दिल्ली में आयोजित 'दिल्ली लिटरेचर फेस्टिवल' में पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने लोकल 18 से खास बातचीत में कहा कि एक बार कड़ी विभाजन की रेखा अगर हमने बना दी. इसके बाद दोनों पक्षों को समझना बेहद मुश्किल हो जाता है. उसके बाद साधारण बातें भी साजिश जैसी लगने लगती हैं. फिर वास्तविक साजिश नजर नहीं आती है. लोगों को लगने लग जाता है कि हमारा दुश्मन कहीं बाहरी है.

अगर ऐसे हालातों तक एक बार हम पहुंच गए तो दो दिलों का मिलन मुश्किल हो जाएगा. यूजीसी का नया कानून या अधिनियम जैसे ही आया. तभी से संघर्ष पैदा हो गया. यह तो सिर्फ एक ट्रिगर है. इसके नीचे का बारूद हमें दिखाई नहीं देता. जो बहुत पहले से ही बिछा हुआ है.

संबंधित खबरें

सुप्रीम कोर्ट का वह जज कौन था जिससे जवाहरलाल नेहरू ने मांगी थी माफी?
एशियन सिख गेम्स में रिया वर्मा का शानदार सफर, फाइनल में जीता सिल्वर मेडल
5 साल से जेल में बंद तसलीम अहमद को मिलेगी राहत? SC ने पुलिस को जारी किया...
कभी जहां बैठते थे महाराजा और प्रधानमंत्री, इतिहास की विरासत पर अब बाजार की नजर

जाति के आधार पर बांटना बेहद गलत

आचार्य प्रशांत ने कहा कि जो बारूद पहले से ही बिछा हुआ है. उस पर जब छोटी सी बाहरी चिंगारी पड़ती है तो वह धधकने लगता है. कभी यह चिंगारी संयोजित होती है तो कभी प्रायोजित. हमें चर्चा उस बारूद पर करनी चाहिए. अगर यूजीसी का मुद्दा सुलझ भी गया तो फिर कोई और नया मुद्दा आ जाएगा. स्वर्ण, दलित अगड़े पिछड़े सबको

ADVERTISEMENT

HEALTH CALCULATORS
BMI Calculator
Calorie Calculator

ख़बरें फटाफट

जल्दी पड़ जाते हैं बीमार? गर्मियों में जरूर खाएं करौंदा, शरीर बनेगा मजबूत

- करौंदा एक खट्टा-मीठा फल है, जो शरीर को ठंडक और ताकत देने में मदद करता है.
- इसमें मौजूद विटामिन-सी और आयरन इम्यूनिटी बढ़ाने और खून की कमी दूर करने में सहायक
- गर्मियों में करौंदा का सेवन शरीर को हाइड्रेट और स्वस्थ रखने में फायदेमंद.

और भी पढ़ें

ताज़ा समाचार

सिर्फ 1 तेजपत्ता से बदलने लगा पेट! ब्लोटिंग और चर्बी पर हैरान करने वाला असर
रितु जायसवाल 26 मई को छोड़ देंगी आरजेडी का साथ, थामेंगी बीजेपी का हाथ
OLX पर आईफोन बेचने निकले हैं तो सावधान! पुलिस ने दबोचा शातिर ठगों का गैंग
अर्जुन की गेंद पर पंत ने छोड़ा कैच, सचिन के लाडले ने कप्तान पर निकाला गुस्सा
आम का जूस शरीर को करता है ठंडा, जानें आम पन्ना के फायदे

और भी पढ़ें

राशिफल
भाग्यशाली रत्न | अंक ज्योतिष

बांटने के लिए जैसा की होता आया है. ऐसे नियम हमारे राष्ट्र, समाज और व्यक्ति के लिए घातक हमेशा बने रहेंगे. जब तक विभाजन रेखा को पूज्य मानकर हम लोग बनाए रखेंगे.

उन्होंने कहा कि यह हम कैसे तय कर सकते हैं कि जन्म से कोई व्यक्ति इधर का हो गया और कोई व्यक्ति उधर का हो गया. नाम में कुछ जुड़ जाने से उसके आधार पर कैसे हमने मान लिया कि कोई व्यक्ति किसी खास वर्ग और व्यवसाय का हो गया. उन्होंने यह भी कहा कि क्यों यह सब अब तक चला आ रहा है. क्यों इतने दिनों तक यूजीसी जैसे मामलों की बात चलती रही. क्योंकि हमने उसे धर्म का नाम दे दिया. अब धर्म में तो कोई बदलाव कर नहीं सकता. धर्म में जातिवाद के लिए कोई स्थान ही नहीं है.

केंद्रीय श्रुति ग्रंथ में जाति का हुआ है घोर विरोध

आचार्य प्रशांत ने कहा कि सनातन धर्म में जाति कैसे अनिवार्य हो गई. इतनी बड़ी विकृति कैसे पैदा हो गई. चलो अगर पैदा भी हो गई तो ढाई सौ साल से भारत में आधुनिक सुधार की प्रक्रिया चल रही है. जो कि राजा राममोहन राय के वक्त से शुरू हुई थी. फिर भी हम इस विकृति को हटा नहीं पा रहे हैं. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में जाति के लिए कोई स्थान ही नहीं है.

आचार्य प्रशांत ने कहा कि हमें इसकी गहराई में जाना ही होगा और विवेचना जाति और धर्म पर करनी होगी. हिंदू धर्म जिसके अंदर केंद्रीय श्रुति ग्रंथ आते हैं. उसमें ऋषियों ने जाति को अस्वीकार किया है और तो और जाति की विरोध भी किया है, लेकिन खुद को हिंदू कहने वाले लोग इस बात को जानते नहीं हैं. इसलिए आपस में बंटे हुए हैं. यह बात अगर आम जन तक पहुंच जाए तो भारत का बहुत भला होगा और हमें भारत का भला चाहिए.

टॉप वीडियो

THEATRE MODE सभी देखें

बंजर जमीन से 'सोना' उगा रहा खंडवा का किसान, सुबबूल और हल्दी की खेती से मालामाल

गर्मी में खीरे की फसल हो सकता है

VIEW COMMENTS

About the Author

Brijendra Pratap Singh

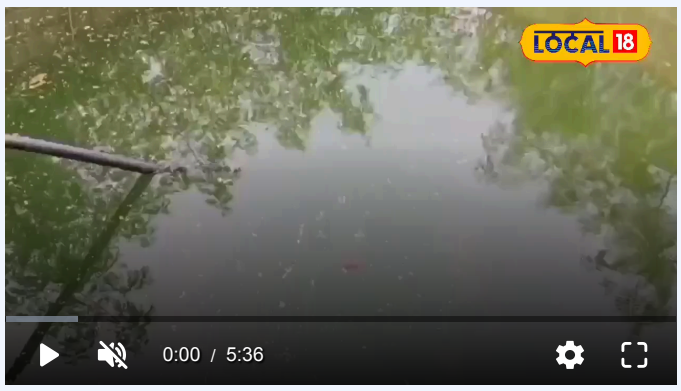

बृजेंद्र प्रताप सिंह डिजिटल-टीवी मीडिया में लगभग 4 सालों से सक्रिय हैं. मेट्रो न्यूज 24 टीवी चैनल मुंबई, ईटीवी भारत डेस्क, दैनिक भास्कर डिजिटल डेस्क के अनुभव के साथ 14 मई 2024 से News.in में सीनियर कंटेंट राइटर...और पढ़ें

News18 न्यूज़लेटर

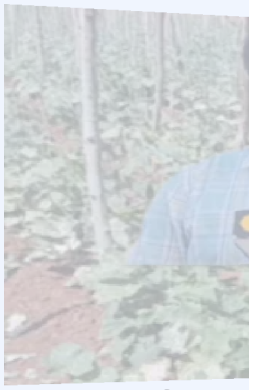

अब ईमेल पर इनसाइड स्टोरीज

खबरों के पीछे की खबर अब आपके इनबॉक्स में

अपना ईमेल डालें

सबमिट करें

Click here to add News18 as your preferred source on Google.

न्यूज़18 को गूगल पर अपने पसंदीदा समाचार स्रोत के रूप में जोड़ने के लिए यहां क्लिक करें। प्रतीक यादव के निधन की खबर, हरियाणा नगर निकाय चुनाव के रिजल्ट का ताजा अपडेट यहां देखें

Location : Delhi

First Published : February 09, 2026, 08:04 IST

High Blood Sugar? Eat This One Food Before Bed (Doctors Are Stunned)

Wellness Waves | Sponsored

Learn More

When Knee Pain Hits, Try This (It's Genius)

Neuracare | Sponsored

Learn More

CHIRAG DARUWALLA
TRUST THE POWER OF GOD

मेष May 23, 2026 राशि चुनें

दैनिक साप्ताहिक मासिक वार्षिक

गणेशजी कहते हैं कि आज मेष राशि वालों के लिए मिले-जुले भाव लेकर आएगा। आपको अपने आस-पास के लोगों के साथ रिश्तों में थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत में मतभेद या गलतफहमी हो सकती है, इसलिए धैर्य रखें और सभी के साथ खुलकर बात करें। अपनी भावनाओं को समझने की कोशिश...
और पढ़ें

और भी पढ़ें

फोटो

और फोटो देखें

जल्दी पड़ जाते हैं बीमार? गर्मियों में ज...

50 साल पुराना वो मास्टरपीस, कहलाई भारत की पहली 'गे लव स्टोरी'

सोनिया बंसल का 'ट साड़ी' फ्यूजन, ट्रेंडिंग लुक से विदेशियों को चौंकाया

You May Like

Sponsored Links

Indians over 65 are switching from hearing aids to this new device.

Hearing Aids

Learn More

I showed this chart to 200 students. Only 11 spotted what was about to happen.

thefutureuniversity

Learn More

Indians over 60 are switching from hearing aids to this new device.

Hearing Aids

Learn More

₹8,000/month turned into ₹47 lakh-exact portfolio breakdown

thefutureuniversity

Learn More

by Taboola